



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

219  
5

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 1, 1977 खैत्र 11, 1899

No. 52] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 1, 1977/CHAITRA 11, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

**बजट 1977-78**  
**वित्त मंत्री का भाषण**  
**28 मार्च, 1977**

महोदय,

मैं इस महान सदन में बजट पेश करता हूँ।

जो बजट और अनुदानों की मांगें माननीय सदस्यों में इस समय वितरित की जा रही हैं वह पूर्ववर्ती सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के आधार पर तैयार की गई थी। मैं शुरू में ही यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि हालांकि इसकी प्रतियां वितरित की जा रही हैं लेकिन यह हमारे दृष्टिदोष, नीतियों और कार्यक्रमों की झलक नहीं देता है।

Division. 10D-1  
Acc. No. 10D49043  
Date of 25.11.18  
Call No. 25.11.18  
Processed  
Date of Transfer  
Checked

2. जब से हमने कार्यभार संभाला तब से इतना समय नहीं था कि इन अनुमानों को नये सिरे से तैयार किया जाता और बजट प्रोजेक्टों को फिर से छाया जाता। जो वार्षिक वित्तीय विवरण और अनुमानों को मॉडिफाई से तैयार हो चुकी हैं, उन को पेश करने का प्रयोजन बिस्कुल सीमित है कि 31 मार्च, 1977 से पहले लेखानुदान प्राप्त करों की संवैधानिक आवश्यकता को पूरा किया जाए। इस से सरकार को प्रागामी वित्तीय वर्ष के शुरू के चार महीनों के दौरान जल्दी खर्च करने के विवेक की स्वीकृति मिल सकेगी।

3. मार्च, 1976 में पेश किये गये चालू वित्तीय वर्ष के बजट में कुल मिला कर 329 करोड़ रुपये का घाटा दिखाया गया था। वर्ष में कुछ वृद्धि होने के कारण जो कुछ हद तक अधिक राजस्व प्राप्त होने से पूरी हुई, अनुमान है कि इस वर्ष 425 करोड़ रुपये का घाटा होगा। मेरे लिये यह आवश्यक नहीं है कि चालू वर्ष की बजट घटनाओं का, सफाई: जिनको कोई भी विधेयक मोझा सरकार नहीं ले सकी, और घात के सामने रखें।

4. वैसे बजट तैयार हुआ है उस के अनुसार 1976-77 के संशोधनों अनुमानों में 13,759 करोड़ रुपये की प्राप्ति की तुलना में 1977-78 के दौरान अनुमान है कि अधिक प्राप्ति का अर्थ (कुल 14,910 करोड़ रुपये की प्राप्ति) होने और चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों के 14,184 करोड़ रुपये के खर्च की तुलना में प्रागामी वर्ष में 18,542 करोड़ रुपये का खर्च होगा। यह आयोजना-भिल और आयोजना दोनों क्षेत्रों में खर्च में वृद्धि होने के फलस्वरूप है।

5. 1977-78 के लिये आयोजना में केन्द्रीय क्षेत्र का परिष्पय 5,053 करोड़ रुपये का है और इस के लिये केन्द्रीय बजट में 4,093 करोड़ रुपये रखे गये हैं। यह पिछले वर्ष (1976-77) के 4,090 करोड़ रुपये के परिष्पय और बजट स्तर पर 3,347 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था के अनुसार है। वर्ष 1977-78 के इन अनुमानों में राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों और पहाड़ी व जनजाति क्षेत्रों से सहायता विभिन्न कार्यक्रमों, उत्तर पूर्वी परिषद, ग्राम विप्लुतिकरण नियम तथा ग्रामों के सहायता कार्यक्रम के लिये केन्द्रीय सहायता के रूप में 1,692 करोड़ रुपये रखे गये हैं। चालू वर्ष में इन कामों के लिये 1,412 करोड़ रुपये रखे गये थे। केन्द्र, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को मिला कर बजट में 1977-78 के लिये कुल 9,953 करोड़ रुपये का आयोजना परिष्पय रखा गया है जब कि 1976-77 के बजट अनुमान में यह 7,852 करोड़ रुपये का था।

6. इस बजट में जो प्रस्ताव किये गये हैं उन का निम्न प्रभाव यह होगा कि कुल मिला कर 1,432 करोड़ रुपये का घाटा रहेगा। परन्तु, विवेक मोझा प्रारक्षित निधि में से

निकासी के तौर पर 800 करोड़ रुपये के विदेश उधारों को बजट में इस अनुमान के आधार पर जमा में मान लिया गया है कि इस तरह के उधारों से कोई स्कीतिकारी प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यह उधार प्रायाप्त में बढ़ि कर पूरा हो जाएगा। इस के अनुसार बजट प्रलेखों में निवल घाटा 632 करोड़ रुपये का दिखाया गया है।

7. चूंकि थोक वस्तुओं का मूल्य सूचकांक मार्च 1976 से 12.5 प्रतिशत बढ़ गया है इसलिये इस संदर्भ में किसी भी प्रकार के घाटे की वित्त व्यवस्था करना बिल्कुल ना विषय है। सरकार को यह दृढ़ विश्वास है कि ऊार की घोर जाती हुई कीमतों को नीचे की ओर उतारने के लिये घोर कीमतों में युक्तिपूर्ण स्थिरता लाने के लिये सरकारी खर्च की ऐसी व्यवस्था की दूर रखा जाये जिससे स्कीतिकारी दवावों को बल मिलता हो। हम पांचवीं प्रायोजना की समीक्षा करने और बजट अनुमानों में संशोधन करने के लिये दृढ़ संकल्प हैं जिससे यह हमारे दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को प्रस्तुत करें। हमारा इरादा नियमित बजट के संबंध में इस सारी प्रक्रिया को निश्चित अवधि में पूरा करने का है क्योंकि यह बजट मई, 1977 में पेश किया जाएगा।

8. इस बीच मैंने अपने मंत्रालय से कहा है कि यह सभी मंत्रालयों, विभागों और केन्द्रीय सरकार के अधीन सरकारी क्षेत्रों के सभी उपक्रमों से यह अनुरोध करे कि जब तक हम अपनी समीक्षा को पूरा न कर लें तब तक वे न तो कोई नई स्कीय शुरू करें और न ही कोई ऐसा नया काम हाथ में लें जिस पर भारी खर्च की गुंजाइश हो। जो स्कीमें इस समय जारी हैं उन को फिर से तैयार करने और कार्यक्रम को फिर से निर्धारित करने की संभावना पर भी विचार किया जाएगा। सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों तथा सरकारी क्षेत्र की एजेंसियों से कहा जाएगा कि वे सादगी और सभी तरह के तड़क भड़क के खर्च को कम करने के बारे में मौजूदा सरकार द्वारा जोर देने की नीति को ध्यान में रख कर खर्च में ज्यादा से ज्यादा किरायात करें।

9. भारत की जनता यह चाहती है और जैसा कि चुनावों से स्पष्ट हो गया है कि हमारी आर्थिक नीतियों और प्राथमिकताओं में इस तरह का मोड़ लाने की सख्त जरूरत है जिससे यह आर्थिक विकास, गरीबी और बेरोजगारी को तेजी से दूर करने और आय और सम्पत्ति की असमानताओं को उत्तरोत्तर कम करने के हमारे लक्ष्य को पूरा करने में सहायक सिद्ध हो सके। जनता में हमारी निष्ठा बनी रहेगी, सदन इस बात से निश्चित रहे। भागे का हमारा काम कठिन है लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि हम जनता के खुले दिल से समर्थन और सद्भाव से हम अपने लक्ष्य को पूरा करेंगे।

# Budget 1977-78

## Speech of Minister of Finance

### 28th March, 1977

I rise to present the Budget to this august House.

The Budget and the demands for grants that are being made available to Honourable Members were prepared on the basis of the directions given by the previous Government. I would like to make it clear at the outset that though these have been circulated, they do not reflect our philosophy, policies, and programmes.

2. There was no time since we assumed office to recast these estimates and to print the Budget documents afresh. The annual financial statement and the demands for grants prepared earlier will serve the limited purpose of fulfilling the Constitutional requirements for taking a Vote on Account before the 31st March, 1977. This will enable Government to meet essential expenditure during the first four months of the ensuing financial year.

3. The Budget for the current financial year presented in March, 1976 envisaged an overall deficit of Rs. 328 crores. Due to certain increases in expenditure, partly offset by improvement in receipts, the year is expected to close with a deficit of Rs. 425 crores. It is not necessary for me to take you over the various details of the budgetary developments during the current year for which the present Government can obviously assume no responsibility.

4. According to the Budget as prepared, while total receipts are expected to go up during the year 1977-78 to Rs. 14,910 crores as compared with the figure of Rs. 13,759 crores in the Revised Estimates for 1976-77, expenditure for the ensuing year is estimated at Rs. 15,042 crores as against the current year's Revised Estimate of Rs. 14,184 crores. This position has resulted from an increase in both non-Plan and Plan expenditure.

5. The Central Sector of the Plan for 1977-78 involves an outlay of Rs. 5,053 crores and will make a draft on the Central Budget of Rs. 4,096 crores. This compares with the preceding year's (1976-77) outlay of Rs. 4,090 crores and a budgetary support of Rs. 3,347 crores at the Budget stage. Central assistance to States and Union Territories, and for various programmes concerning the Hill and Tribal areas, the North Eastern Council and Rural Electrification Corporation as well as the Andhra Six Point Formula amounts to Rs. 1,692 crores according to these estimates for the year 1977-78. The corresponding figure for the current year is Rs. 1,412 crores. Taking Centre, States and Union Territories together the Budget envisages a total Plan outlay for 1977-78 of Rs. 9,953 crores as compared with Rs. 7,852 crores in the Budget Estimates of 1976-77.

6. The net effect of the proposals made in the Budget would be an overall deficit of Rs. 1,432 crores. However, the Budget takes credit for special borrowings of the order of Rs. 800 crores against drawal of foreign exchange reserves, the assumption being that such borrowing would be non-inflationary, as it is covered by increased imports of goods. Accordingly, the Budget document shows a net deficit of Rs. 632 crores.

7. In the context of the rise in the whole-sale price index of 12.5 per cent that has occurred since March, 1976, any deficit financing has to be viewed with concern. In order to reverse the rising trend of prices and to usher in a period of reasonable price stability, the Government are of the firm view that financing of public expenditure in a manner which would generate inflationary pressures should be eschewed.

It is our firm resolve to review the Fifth Plan and to revise the Budget Estimates so that they reflect our thinking and priorities. We propose to complete this exercise in time for the regular Budget which will be presented in May, 1977

8. Meanwhile, I have asked my Ministry to request all Ministries, Departments and Public Sector Undertakings under the control of the Central Government not to take up new schemes and not to enter into fresh major commitments till we have completed our review. The possibility of rephrasing and re-scheduling continuing schemes would also be explored. All Ministries and Departments of Government, and Public Sector Agencies will be asked to observe the utmost economy in expenditure, keeping in view the present Government's emphasis on austerity, and avoidance of all forms of ostentation.

9. It is the will of the people of India as expressed unequivocally at the Polls, that there is an urgent need to re-direct our economic policies and priorities so as to ensure that economic growth subserves the objectives of speedy eradication of poverty and unemployment, and a progressive reduction in inequalities of income and wealth. The House may rest assured that we shall keep our faith with the people. The task ahead is formidable, but with the willing support and goodwill of the people, we are confident that we shall achieve our objective

सहा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्गणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मूद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

